पितामह दिवस : पीढ़ियों की परछाई में निखरी पहचान

संवाद सहयोगी, जागरण, पाकुड़ : रवींद्र भवन में सोमवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल की ओर से पहली बार पितामह दिवस (ग्रैंड पेरेंट्स) का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने न केवल बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि उनके जीवन में रच-बस चुके दादा-दादी और नाना-नानी के महत्व को भी उजागर किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई, जिसके पश्चात विद्यालय के बैंड की मनमोहक प्रस्तुति और स्वागत गीत ने माहौल को भावनाओं से भर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने बेहद भावुक शब्दों में पितामहों की भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के तेज़ रफ्तार दौर में जब संयुक्त परिवारों की परंपरा धीरे-धीरे ओझल हो रही है, ऐसे समय में दादा-दादी और नाना-नानी का साथ बच्चों के लिए किसी अनमोल धरोहर से कम नहीं। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि आधुनिक तकनीक के बढ़ते प्रभाव में बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया में खोते जा रहे हैं। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के लिए उन्हें खेलकूद, योग, पारिवारिक संवाद और रचनात्मक गतिविधियों में व्यस्त किया जाए, ताकि वे मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ विकसित हो सकें। विद्यालय की प्राचार्य जे.के. शर्मा ने कहा कि आज की पीढ़ी को सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, रिश्तों की समझ और संवेदना की ज़रूरत है।

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि, निदेशक एवं प्राचार्य

नाटक के माध्यम से दिया सामाजिक संदेश : कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक सशक्त नाटक ने मंच पर दादा-दादी के मार्गदर्शन और जीवन में उनकी भूमिका को अत्यंत प्रभावी ढंग से दर्शाया। नाटक ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं नर्सरी और एल.के.जी. के नन्हे-मुन्नों ने जब मंच पर ''लुंगी डांस'' की प्रस्तुति दी, तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का समापन सौरिष दत्ता एवं नेहा चक्रवर्ती द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।